हिन्दी दैनिक

इंडिया वार्ता

R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

सच के साथ-जन के साथ

लोकतंत्र में जनसरोकार का सशक्त माध्यम

आत्मिक वाणी

मेरे पुत्र मेरी शिक्षा को ना भूलना अपने मन मे मेरी बातों को याद रखना क्योकि ऐसा करने से तेरे जीवन के दिन और तेरे वर्ष और बढ़ेगे। तेरा अधिकाधिक कल्याण ही होगा मेरे पुत्र करूणा और सच्चाई कभी तुझ से अलग ना हो तू उनको अपने गले का हार बना कर रखना और उनको अपने हृदय पटल पर लिख लेना तब तू परमेश्वर और मनुष्य दोनों की दृष्टि में कृपा का पात्र होगा।

एसईओसी पहुंचे मुख्य सचिव, .. 8

वर्ष : 14 अंक : 307 | देहरादून,बुधवार 09 जुलाई 2025 | शुल्क : पचास पैंसे | पृष्ठ संख्या : 08

कांवड़ मेला : धामी सरकार का रहेगा सुरक्षा और सुव्यवस्था पर विशेष जोर

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आगामी कांवड़ मेला-2025 की तैयारियों को लेकर आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि इस वर्ष कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। पिछले वर्षों की चुनौतियों का विश्लेषण कर सुधारात्मक कदम उठाने और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की पुनरावृत्ति रोकने पर विशेष जोर दिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह विशाल धार्मिक आयोजन है और इसमें किसी भी प्रकार की तोड़फोड़, उपद्रव या अन्य अवांछनीय घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं।

उन्होंने शिविर संचालकों, कार्यरत व्यक्तियों, स्वयंसेवकों और होटल/धर्मशालाओं में ठहरने वाले व्यक्तियों के पूर्ण सत्यापन को अनिवार्य बताया।

अत्याधुनिक सुरक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्थाएं

धामी ने सभी प्रमुख स्थलों पर एक्स-रे सिस्टम, अग्निशमन यंत्र, फायर टेंडर और कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, खाद्य व पेय पदार्थों की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी और जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए पुख्ता इंतजाम करने को कहा। भीड़ प्रबंधन में स्वयंसेवकों की मदद लेने, सीसीटीवी व ड्रोन से निरंतर निगरानी और अभिसूचना तंत्र को सक्रिय रखने पर बल दिया गया। बेहतर यातायात व्यवस्था के लिए अलग से प्लान बनाकर उसका व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए ताकि श्रद्धालुओं को असुविधा न हो। आतंकवादी खतरों को मद्देनजर रखते हुए एटीएस और विशेष सुरक्षा बलों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

यात्रा मार्गों पर विशेष ध्यान

मुख्यमंत्री ने हरिद्वार के घाटों, नीलकंठ महादेव मंदिर और अन्य प्रमुख स्थलों पर एम्बुलेंस व बैकअप की व्यवस्था करने, सादे वस्त्रों में महिला व पुरुष सुरक्षाकर्मियों की पर्याप्त तैनाती करने और आपदा राहत उपकरणों से युक्त

– शेष पृष्ठ 7 पर ...

मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड के कराटे चैंपियन्स को किया सम्मानित

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को नई दिल्ली में राज्य के तीन होनहार कराटे चैंपियंस को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्मानित किए जा रहे सभी प्रतिभाशाली खिलाड़ी राज्य के उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं। उन्होंने कहा, इन खिलाडियों ने अपनी खेल प्रतिभा से अपने माता-पिता के साथ ही उत्तराखंड का मान भी बढ़ाया है। तीनों खिलाड़ियों अनामिका, मैत्री व क्रियांश ने 5-6 जुलाई 2025 को कोलंबो, श्रीलंका में आयोजित 9वीं साउथ एशियन कराटे चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए रजत, कांस्य व कांस्य पदक जीते है, मुख्यमंत्री ने इन खिलाडियों के उज्जवल भविष्य की कामना की तथा भविष्य के आयोजनों में सफलता के लिये शुभकामनाये भी दी। इन खिलाड़ियों का चयन कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन द्वारा देहरादून में आयोजित राष्ट्रीय कराटे चौंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया था। जिसमें अनामिका बिष्ट, पुत्री श्री हरीश बिष्ट, जिला चंपावत - रजत पदक, मैत्री बलूनी, पुत्री श्री कैलाश बलूनी, डोईवाला, जिला देहरादून - कांस्य पदक तथा क्रियांश कौशिक, पुत्र श्री सुमंता शर्मा, जिला देहरादून - कांस्य पदक प्राप्त किया गया है।

कांग्रेस ने विजय कुमार को पार्टी समर्थित प्रत्याशी घोषित किया

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने जिला पंचायत चुनाव हेतु जिला पिथौरागढ़ की डीडीहाट विधानसभा क्षेत्र के दिगरा मुवानी पंचायत क्षेत्र से विजय कुमार को पार्टी समर्थित प्रत्याशी घोषित किया है। उपरोक्त जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकान्त धस्माना ने बताया कि जिला पिथौरागढ़ की डीडीहाट विधानसभा क्षेत्र के दिगरा मुवानी पंचायत क्षेत्र से विजय कुमार को कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी घोषित किया गया है। श्री धस्माना ने यह भी कहा कि शीघ्र ही बचे हुए जनपदों से भी पार्टी समर्थित प्रत्याशियों की घोषणा की जायेगी। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत चुनाव में कांग्रेस पार्टी समर्थित प्रत्याशियों को आम जनता का भारी समर्थन मिल रहा है तथा कांग्रेस पार्टी प्रदेश की सभी 12 जिला पंचायतों में विजय का परचम लहरायेगी।

मुख्यमंत्री ने किया 'हाउस ऑफ हिमालयाज' आउटलेट का उद्घाटन

उत्तराखण्ड की पारंपरिक धरोहर और जैविक उत्पादों को राष्ट्रीय राजधानी में मिला नया मंच

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली स्थित उत्तराखण्ड निवास परिसर में 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के आउटलेट का उद्घाटन किया। यह आउटलेट उत्तराखण्ड की पारंपरिक धरोहर और जैविक उत्पादों को राष्ट्रीय राजधानी में संगठित रूप में प्रस्तुत करने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। इसके माध्यम से न केवल राज्य की समृद्ध लोकसंस्कृति को देश के सामने लाया जाएगा, बल्कि स्थानीय उत्पादों को नए बाजार भी प्राप्त होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल राज्य सरकार की उस दूरदृष्टि का परिणाम है, जिसका उद्देश्य पर्वतीय अंचलों में उत्पादित प्राकृतिक और हस्तनिर्मित वस्तुओं को वैश्विक पहचान दिलाना है। यह कदम ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा और साथ ही स्थानीय कारीगरों व शिल्पकारों को नए अवसर प्रदान करेगा। चारधाम यात्रा को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा स्थानीय उत्पादों की ब्रिकी को बढ़ावा देने हेतु 13 से अधिक प्रमुख स्थानों पर आकर्षक फ्लोर स्टैंडिंग यूनिट्स और रिटेल कार्ट्स नैनी सैनी एयरपोर्ट, पंतनगर एयरपोर्ट, देहरादून हेलीपैड, जीएमवीएन श्री केदारनाथ, बद्रीनाथ, हर्षिल, गुप्तकाशी, कौडियाला, मसूरी, परमार्थ निकेतन (ऋषिकेश), स्नो क्रेस्ट (बद्रीनाथ), एटीआई (नैनीताल) एवं

सेंट्रिया मॉल जैसे तीर्थ और पर्यटक स्थलों पर स्थापित किए गए हैं। ये रिटेल कार्ट्स श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं। इसके अतिरिक्त, मैरियट मसूरी, ताज देहरादून, एफआरआई व एलबीएसएनएए एवं राष्ट्रीय राजधानी स्थित दिल्ली हाट जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में भी रिटेल कार्ट्स की स्थापना प्रक्रिया प्रगति पर है। यह पहल न केवल स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिला रही है, बल्कि उत्तराखण्ड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शिल्प कौशल को भी सशक्त रूप से प्रस्तुत कर रही है।

सचिव ग्रामीण विकास श्रीमती राधिका झा ने बताया कि 'हाउस ऑफ हिमालयाज' ब्रांड ने कम समय में अपनी गुणवत्ता के बल पर विशेष पहचान बनाई है। इसके उत्पाद houseofhimalayas.com के साथ-साथ अमेज़न और ब्लिंकिट जैसे प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध हैं। अब यह ब्रांड प्रमुख होटल श्रृंखलाओं में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक और पारंपरिक पहचान को बढ़ावा देने तथा उच्च श्रेणी के पर्यटकों को स्थानीय उत्पादों से जोड़ने के उद्देश्य से ताज (ऋषिकेश, रामनगर), हयात सेंट्रिक, हयात रीजेंसी (देहरादून), मैरियट (रामनगर), वेस्टिन (नरेन्द्रनगर) और जेपी ग्रुप (मसूरी)

– शेष पृष्ठ 7 पर ...

सम्पादकीय

योग बना पहचान

योग दिवस में 'सूर्य नमस्कार' व 'ओम' उच्चारण का कुछ मुस्लिम संगठन विरोध ा करते रहे हैं। असल में कहा जाए तो 'ओम' शब्द योग के साथ जुड़ा हुआ है। इसे विवाद में तब्दील करना दुर्भाग्यपूर्ण है लेकिन इसे हर किसी पर थोपा भी नहीं जा सकता। इसलिए योग करते समय लोगों को 'ओम' उच्चारण को अपनी धार्मिक मान्यता की आजादी के अनुसार प्रयोग करना चाहिए। हर साल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को मनाया जाता है। इस साल पूरे विश्व में पांचवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। भारत में योग दिवस का एक अपना ही अलग महत्त्व है। योग भारतीय प्राचीन संस्कृति की परम्पराओं को समाहित करता है। भारत में योग का प्राचीन समय से ही अहम स्थान है। पतंजलि योग दर्शन में कहा गया है कि योगश्चित्तवृत्त निरोधः अर्थात् चित्त की वृत्तियों का निरोध ही योग है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो हृदय की प्रकृति का संरक्षण ही योग है। जो मनुष्य को समरसता की और ले जाता है। योग मनुष्य की समता और ममता को मजबूती प्रदान करता है। यह एक प्रकार का शारारिक व्यायाम ही नहीं है बल्कि जीवात्मा का परमात्मा से पूर्णतया मिलन है। योग शरीर को तो स्वस्थ्य रखता ही है इसके साथ–साथ मन और दिमाग को भी एकाग्र रखने में अपना योगदान देता है। योग मनुष्य में नये–नये सकारात्मक विचारों की उत्पत्ति करता है जोकि मनुष्य को गलत प्रवृति में जाने से रोकते हैं। योग मन और दिमाग की अशुद्धता को बाहर निकालकर फेंक देता है। साथ–साथ योग से मनुष्य के अन्दर की नकारात्मकता खत्म होती है। योग व्यक्तिगत चेतना को मजबूती प्रदान करता है। योग मानसिक नियंत्रण का भी माध्यम है। हिन्दू धर्म, बौद्ध धर्म और जैन धर्म में योग को आध्यात्मिक दृष्टि से देखा जाता है। योग मन और दिमाग को तो एकाग्र रखता ही है साथ ही साथ योग हमारी आत्मा को भी शुद्ध करता है। योग मनुष्य को अनेक बीमारियों से बचाता है और योग से हम कई बीमारियों का इलाज भी कर सकते हैं। असल में कहा जाये तो योग जीवन जीने का माध्यम है। श्रीमद्भागवत गीता में कई प्रकार के योगों का उल्लेख किया गया है। भगवद् गीता का पूरा छठा अध्याय योग को समर्पित है। इसमें योग के तीन प्रमुख प्रकारों के बारे में बताया गया है। इसमें प्रमुख रूप से कर्म योग, भक्ति योग और ज्ञान योग का उल्लेख किया गया है। कर्म योग– कार्य करने का योग है। इसमें व्यक्ति अपनी स्थिति के उचित और कर्तव्यों के अनुसार कर्मों का श्रद्धापूर्वक निर्वाह करता है। भक्ति योग– भक्ति का योग। भगवान् के प्रति भक्ति। इसे भावनात्मक आचरण वाले लोगों को सुझाया जाता है। ज्ञान योग– ज्ञान का योग अर्थात ज्ञान अर्जित करने का योग। भगवद्गीता के छठे अध्याय में बताये गए सभी योग जीवन का आधार हैं।

भ्रष्टाचार से फलता फूलता है गोमांस का अवैध कारोबार

मनोज कुमार अग्रवाल

पंजाब के फगवाड़ा–गोराया के बीच हाईवे पर स्थित ज्योति ढाबे से दो दिन पहले क्विंटलों गोमांस बरामद किया गया. इस संबंध में विभिन्न हिंदू संगठनों के नेता और गौ रक्षक संस्थान के सदस्य मौके पर पहुंचे और उन्होंने रोष व्यक्त किया. हिंदू संगठनों ने कहा कि ढाबे के अंदर एक बड़ा फ्रीजर बनाया गया था, जिसमें क्विंटलों गोमांस रखा हुआ था.आप जानते हैं कि गाय को हिन्दू माता मानते हैं। कहा जाता है कि गाय में 33 कोटि देवताओं का वास रहता है जो हर तरह से हमारी रक्षा करती है परंतु आज यही गौ माता समाज के एक वर्ग के लोगों के अत्याचारों का शिकार हो रही है।

2 जुलाई, 2025 को पंजाब के फगवाड़ा में गांव चाचोकी के निकट स्थित ज्योति वैष्णो ढाबा, जिसे अब सील कर दिया गया है, के पीछे कोल्ड स्टोरेज के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले तहखाने में गौमांस की प्रोसैसिंग फैक्टरी तथा बड़ी मात्रा में पैक किए हुए गौमांस का पता चलने पर शहर में तनाव फैल गया।

इसका पता लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले संयुक्त गऊ रक्षा दल पंजाब तथा अन्य स्थानीय हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों के अनुसार यहां प्रतिदिन क्विंटलों के हिसाब से गौमांस की पैकिंग की जाती थी।इसी परिसर में एक कमरे के बाहर एक बर्तन में पकाया हुआ गौमांस भी बरामद हुआ है जिसके बारे में जानकारों का कहना है कि यहां गौमांस को प्रोसैस करने वाले लोग स्वयं भी गौमांस पकाकर खाते थे। यहां इतनी अधिक असहनीय दुर्गंध फैली हुई थी कि सांस लेना भी मुश्किल था।सवाल यह है कि हिन्दू संगठन के लोग इस अवैध धंधे को पकड़ रहें हैं फिर पुलिस क्या कर रही है। जाहिर है सारा अवैध गोमांस का धंधा कुछ पुलिस की गंदी मछलियों के संरक्षण में चल रहा है।

पुलिस ने इस मामले में शामिल कुल 17 लोगों के विरुद्ध केस दर्ज किया है तथा इस सिलसिले में 8 लोगों (लेबर) को गिरफ्तार करने के अलावा 29 क्विंटल 32 किलो गौमांस बरामद कर लिया है।इस अवैध गौमांस फैक्टरी में जहां उत्तर प्रदेश के रहने वाले 3 लोग शामिल बताए जाते हैं, वहीं इस रैकेट में म्यांमार के रोहिंग्या भी शामिल बताया गया हैं। इसका प्रमाण फगवाड़ा पुलिस द्वारा थाना सिटी में दर्ज की गई एफ. आई.आर. है जिसमें म्यांमार के रहने वाले अरमान नामक व्यक्ति का उल्लेख है।गौमांस की तस्करी करने वाले आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया. आरोपियों में मुख्तयार आलम, आजाद, जाकिर हुसैन, रिहाना आलम और मिंजर अली मालदा पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं. अरशद उत्तर प्रदेश का और मदन शाह जालंधर जिले के गोराया का रहने वाला है।

संयुक्त गऊ रक्षा दल पंजाब (रजि.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह ने शिवसेना पंजाब के सीनियर उपाध्यक्ष इंद्रजीत करवल, अखिल भारतीय हिंदू सुरक्षा समिति के दीपक भारद्वाज एवं अन्य गौभक्तों की मौजूदगी में बताया कि यहां गौमांस की पैकिंग कर इसकी सप्लाई दिल्ली, श्रीनगर आदि विभिन्न स्थानों को भेजी जा रही थी।

फगवाड़ा पुलिस द्वारा दर्ज एफ.आई.आर. में उल्लेख किया गया है कि गौवंश को होशियारपुर रोड पर स्थित एक हड्डा रोड़ी में काटा जाता था और वहां से गौमांस को बोनलैस करके उक्त फैक्टरी में डीप फ्रीज किया जाता था और गौवध तेजधार दातरों से नहीं, मोटर चालित आरियों से किया जाता था। डी. एस. पी. भारत भूषण का कहना है कि अभी पुलिस सारे मामले की जांच कर रही है और ऐसा हो सकता है कि फगवाड़ा में ही गौवंश काटा गया हो तथा पुलिस गौमांस की फैक्टरी के आसपास के खेतों सहित होशियारपुर रोड पर मौजूद हड्डा रोड़ी के पूरे इलाके की खुदवाई करवाएगी।

फर्स्ट च्वाइस ब्रांड नाम वाले 900 ग्राम वजन के गौमांस के इन पैकेटों पर अरबी और अंग्रेजी भाषाओं में हलाल तथा व्हील क्यूब्स लिखा हुआ है। जानकारों के अनुसार व्हील शब्द का प्रयोग गौमांस विशेष रूप से छोटी आयु (6 महीने) के बछड़े–बछड़ियों के लिए किया जाता है जिसकी विदेशों में काफी कीमत मिलती है।

संयुक्त गऊ रक्षा दल पंजाब (रजि.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह के अनुसार पूरे पंजाब में ऐसी लगभग 14 फैक्टरियां चल रही है। इतने बड़े पैमाने पर गौवध किसी राजनीतिक संरक्षण के बिना चला पाना संभव नहीं है।

फगवाड़ा के विधायक बलविंद्र सिंह धालीवाल तथा गौभक्तों का आरोप है कि इस रैकेट में शामिल एक आरोपी की अवैध गतिविधियों के बारे में फगवाड़ा पुलिस और प्रशासन को जानकारी दी गई थी परन्तु उनकी किसी ने नहीं सुनी तथा मामले को दबाया जाता रहा।

मामले में गुरुप्रीत सिंह पुत्र अवतार सिंह के बयानों पर मुकदमा दर्ज किया गया है. उन्होंने गुप्त सूचना देते हुए बताया कि फगवाड़ा से लुधियाना साइड जीटी रोड ज्योति ढाबे के बैकसाइड में बने हुए पैकिंग प्लांट में भारी मात्रा में गाय का मांस पैक किया जाता है. मांस काटने और पैकिंग का काम कई लोग करते हैं. गौमांस की कटिंग हड्डा रोड, होशियापुर रोड (फगवाड़ा) में की जाती है. फिर ज्योति ढाबे की बैकसाइड गोदाम में बने पैकिंग प्लांट में उसकी पैकिंग की जाती है, जिसे दिल्ली और श्रीनगर तक सप्लाई किया जाता है.गुरुप्रीत सिंह ने पुलिस को सूचना देते हुए बताया कि अगर मौके पर जाकर छापा मारा जाए तो ज्योति ढाबे के बैकसाइड पैकिंग प्लांट से भारी मात्रा में पैक्ड गौमांस बरामद किया जा सकता है. इसी सूचना के आधार पर विशेष अभियान चलाकर इस कार्रवाई को अंजाम दिया. आज पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड मांगी.

कोर्ट ने पुलिस को आरोपियों की रिमांड दे दी. मामले में अभी आरोपियों के अलावा अन्य लोगों की इनवोलवमेंट का भी खुलासा होने की संभावना है, जो गौमांस की तस्करी करते हैं. फगवाड़ा में गौमांस की फैक्टरी का मिलना असंख्य हिंदुओं की आस्था से सीधा जुड़ा होने के अलावा कानून व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न चिन्ह लगाता है। अतः यथाशीघ्र इस मामले की तह तक जाकर आरोपियों तथा राज्य में चल रही अन्य ऐसी फैक्ट्रियों का पता लगाकर उनके विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

जिम्मेदार कौन ?

प्रिय पाठकों आप भी एक पत्रकार हो तथा **दैनिक इंडिया वार्ता** की आवाज बन सकते हैं। बस आपको इसके लिए जरूरत है कि हर समय अपनी आंख व कान खुली रखें। चौंकन्ने रहें कि आपके चारों ओर क्या कुछ घटित हो रहा है। नाबालिग बच्चे ड्रग्स का सेवन कर रहे हैं? स्कूल बंक कर रहे हैं? विकास कार्यों में गड़बडी हो रही है? निर्माण कार्य महीनों से अधूरे पड़े हैं, पाइप लाइन टूटी हैं, घरों में दूषित पेयजल आपूर्ति या महिनों से पानी नहीं आ रहा है। मनरेगा में धांधली हो रही है? आपकी इस प्रकार की समस्याओं को **दैनिक इंडिया वार्ता** जिम्मेदार कॉलम में प्रमुखता के साथ उठाएगा? बस आप उठाइए कलम और तुरंत लिखकर हमें भेजें या फिर संपर्क करें? आपकी आवाज को सत्ता के शीर्ष में बैठे लोगों एवं सम्बन्धित अधिकारी तक पहुंचाया जाएगा तथा इन समस्याओं को जल्द से जल्द हल कराने का प्रयास भी किया जाएगा।

संपर्क करें

संपादक

दैनिक इंडिया वार्ता

प्रधान कार्यालय : मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड)

मोबाईल न.- 7500581414,9359555222

Email: indiawarta@gmail.com

पंचायत चुनाव को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी ने की तैयारियों की समीक्षा

निर्वाचन तैयारियों को त्रुटिरहित समयबद्धता से पूर्ण करने के दिए निर्देश

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारर्शिता के साथ संपन्न कराने को लेकर जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी (पं0) सविन बंसल ने मंगलवार को विभिन्न प्रकोष्ठ प्रभारियों एवं सहायक प्रभारियों की बैठक लेते हुए अब तक किए गए कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्वाचन की सभी तैयारियों को त्रुटिरहित समयबद्धता के साथ पूर्ण करना सुनिश्चित करें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों का भंली भांति अनुश्रवण किया जाए। निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें। बरसात को देखते हुए सड़क निर्माणदायी एजेंसियों को सभी संवेदनशील स्थलों में पर्याप्त संख्या में मैनपावर और मशीनरी की तैनाती करने, वैकल्पिक एवं पैदल मार्गो को सुचारू रखने और मतदान दिवस के लिए विशेष कंटीजेंसी प्लान तैयार करने के निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी पोलिंग बूथों पर मूलभूत सुविधा यथा बिजली, पानी, शौचालय, फर्नीचर आदि व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी एसडीएम एक बार पुन: इसका निरीक्षण करें। पोलिंग बूथों पर जो कार्य शेष है उनको जल्द से जल्द पूरा कराया जाए। सभी एसडीएम व सीओ पुलिस मिलकर संवेदनशील और अति संवेदनशील मतदेय स्थलों का अपने स्तर पर समीक्षा कर लें। कम्यूनिकेशन प्लान के साथ ही पोलिंग पार्टियों की रवानगी, वापसी, स्ट्रांग रूम और मतगणना के लिए टेबल निर्धारण संबंधी पूरा प्लान तैयार किया जाए और निर्वाचन से जुड़े कार्यो को समयबद्वता के साथ त्रुटिरहित पूरा करें। रूट चार्ट के अनुसार हेल्थ प्लान एवं पोलिंग पार्टियों के लिए हेल्थ किट तैयार की जाए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि कंट्रोल रूम से निर्वाचन सूचनाओं का नियमित संकलन एवं समय पर प्रेषण करने के निर्देश दिए। इस दौरान कार्मिकों प्रशिक्षण कार्यक्रम, मतपत्र, मतदान सामग्री सहित प्रभारी अधिकारियों के माध्यम से अभी तक की गई अन्य निर्वाचन तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी अभिनव शाह ने बताया कि जिले के सभी 06 विकास खंडों में कुल 409 ग्राम पंचायत है, जिनमें 1090 मतदेय स्थल बनाए गए है। इसमें से 271 संवेदनशील और 322 अति संवेदनशील मतदेय स्थल है। इन सभी मतदेय स्थलों पर 262628 महिला, 282730 पुरूष, 14 अन्य सहित कुल 545372 मतदाता पंजीकृत है।

बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी अभिनव शाह, एसपी रेनू लोहनी, अपर जिलाधिकारी केके मिश्रा, परियोजना निदेशक विक्रम सिंह, एसडीएम प्रत्यूष, एसडीएम अपर्णा ढौडियाल, सीईओ विनोद कुमार ढ़ौडियाल सहित निर्वाचन से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं के अधिकारी उपस्थित थे।

देहरादून में भिक्षावृत्ति और बाल श्रम के खिलाफ अभियान तेज, आठ बच्चे रेस्क्यू

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देश पर देहरादून में भिक्षावृत्ति और बाल श्रम के खिलाफ अभियान को और तेज कर दिया गया है। इसी कड़ी में आज जिला बाल संरक्षण इकाई और चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 ने ऋषिकेश के प्रमुख भिक्षावृत्ति बाहुल्य क्षेत्रों में जन जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान चार बच्चों को भिक्षावृत्ति और बाल श्रम करते हुए रेस्क्यू किया गया।

अभियान के तहत गरुड़ चट्टी पुल, लक्ष्मण झूला पुल, त्रिवेणी घाट और इंद्रमणि चौक पर लोगों को भिक्षा न देने, बाल श्रम और बाल विवाह रोकने तथा नशा मुक्ति के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया गया। इस अभियान में डीसीपीयू, चाइल्ड हेल्प लाइन, आसरा ट्रस्ट और एएचटीयू के कर्मियों ने सक्रिय भागीदारी की।

रेस्क्यू किए गए बच्चों को मिलेगी नई दिशा

जन जागरूकता अभियान के दौरान इंद्रमणि चौक से एक बालक और दो बालिकाएं, जबकि लक्ष्मण झूला पुल से एक बालक को भिक्षावृत्ति व बालश्रम करते हुए पाया गया। इन सभी बच्चों को तत्काल रेस्क्यू कर उनकी काउंसलिंग की गई। जिला प्रशासन की रेस्क्यू टीम ने आज ऋषिकेश से कुल आठ बच्चों को रेस्क्यू किया है।

आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2024 से जून 2025 तक ऋषिकेश में बाल श्रम से 12 और भिक्षावृत्ति से 17 बच्चों को रेस्क्यू किया जा चुका है।

समर्पित वाहन और आधुनिक सेंटर से मिल रही मदद

जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देशों का पालन करते हुए, जिला प्रशासन की भिक्षावृत्ति उन्मूलन टीम लगातार सक्रिय है। बाल मजदूरी और भिक्षावृत्ति में पाए जाने वाले बच्चों को रेस्क्यू करने के लिए एक समर्पित वाहन निरंतर गश्त कर रहा है।

जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के तहत, देहरादून के शहरी क्षेत्रों में भिक्षावृत्ति में संलिप्त बच्चों को रेस्क्यू कर उन्हें माइक्रो प्लान के तहत साधु राम इंटर कॉलेज स्थित आधुनिक इंटेंसिव केयर सेंटर में भेजा जा रहा है। यहां विशेषज्ञों द्वारा बच्चों के मन को सकारात्मक रूप से बदलने पर काम किया जा रहा है।

इस आधुनिक इंटेंसिव केयर सेंटर के माध्यम से अब तक 19 बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ते हुए स्कूलों में दाखिला दिलाया गया है। सेंटर में बच्चों को कंप्यूटर, संगीत, योगा और विभिन्न गेम्स जैसी गतिविधियों के साथ-साथ प्रोजेक्टर्स के माध्यम से शिक्षा दी जा रही है। यहां एक्टिविटी बेस्ड लर्निंग पर जोर दिया जा रहा है, जिससे बच्चे उत्साह के साथ सीख सकें।

अब तक 231 से अधिक बच्चों को भिक्षावृत्ति से मुक्त कर इस इंटेंसिव केयर सेंटर के माध्यम से मुख्यधारा में जोड़ा जा चुका है। यह अभियान बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अर्बन कोऑपरेटिव बैंक क्षेत्र डिजिटल बदलाव के लिए तैयार

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । नेशनल अर्बन कोऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन और ट्रांसयूनियन सिबिल ने संयुक्त रूप से 'सहकार ट्रेंड्स' रिपोर्ट का पहला संस्करण 2025 क्रेडिट कॉन्फ्रेंस के दौरान जारी किया। अर्बन कोऑपरेटिव बैंकों द्वारा ब्ठप्स् को दी गई जानकारी पर आधारित यह रिपोर्ट दर्शाती है कि, मार्च 2025 तक अर्बन कोऑपरेटिव बैंकों का कुल पोर्टफोलियो बैलेंस 2.9 लाख करोड़ तक पहुँच गया है। मार्च 2020 के मुकाबले बीते पाँच वर्षों में इसमें 1.8 गुना की वृद्धि देखने को मिली है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि प्रमुख उत्पाद श्रेणियों में दो अंकों की दर से वृद्धि हुई है, जो उधारी की बढ़ती मांग और विस्तृत बाजार पहुँच के कारण संभव हो सकी है। तकनीक-आधारित बदलाव की दिशा में आह्वान के बीच न्ब्ठ सेक्टर एक मजबूत वित्तीय समावेशन के वाहक के रूप में उभर रहा है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि शहरी सहकारी बैंक तकनीक-आधारित पुनरुत्थान के जरिए अपने अगले विकास चरण के लिए तैयार हैं। डिजिटल परिवर्तन को तेजी से अपनाने और संचालन में आधुनिकता लाने की भरपूर संभावनाएँ मौजूद हैं। तकनीक पर केंद्रित रणनीतिक पहल न केवल इस सेक्टर की विकास गति को मजबूती देगी, बल्कि तेजी से बदलते वित्तीय परिदृश्य में प्रतिस्पर्धात्मकता भी बढ़ाएगी। 'सहकार ट्रेंड्स' रिपोर्ट के पहले संस्करण में अर्बन कोऑपरेटिव बैंकों के प्रदर्शन का विस्तृत विश्लेषण दिया गया है, इसमें उन्हें समान श्रेणी के अन्य संस्थानों के साथ तुलना करते हुए, ऐसे सुझाव पेश किए गए हैं जो डेटा पर आधारित हैं और बैंकों को स्मार्ट तरीके से प्रतिस्पर्धा करने, सतत रूप से बढ़ने और बेहतर सेवा देने में मदद कर सकते हैं।

इंडिया हेल्थ फिर लौटा, स्वास्थ्य क्षेत्र में बदलाव को देगा रफ्तार

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । अपनी शानदार शुरुआत के बाद, इन्फॉर्मा मार्केट्स इन इंडिया 11 से 13 जुलाई तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया हेल्थ प्रदर्शनी का दूसरा संस्करण आयोजित करने के लिए तैयार है। हेल्थकेयर में नए आविष्कारों और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए, इंडिया हेल्थ 2025 स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रमुख लोगों को एक मंच पर लाएगा, जिसे संपर्क बनाने, व्यवसाय बढ़ाने और ज्ञान साझा करने के लिए तैयार किया गया है। यह आयोजन विश्व प्रसिद्ध डब्ल्यूएचएब्स दुबई (पहले अरब हेल्थ) की विरासत से शुरू हुआ है और तेजी से भारत का प्रमुख हेल्थकेयर प्रदर्शनी और सम्मेलन मंच बन रहा है। भारत का हेल्थकेयर क्षेत्र 2027 तक 18.5 बिलियन रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। ऐसे में, यह शो उद्योग की समावेशी, तकनीक आधारित और बड़े पैमाने पर हेल्थकेयर समाधानों की जरूरतों के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। कार्यक्रम से पहले, इन्फॉर्मा मार्केट्स इन इंडिया के प्रबंध निदेशक योगेश मुद्रास ने कहा, इंडिया हेल्थ प्रदर्शनी हमेशा से एक ऐसा सार्थक मंच बनाना चाहता है, जहां भारत के हेल्थकेयर लीडर, इनोवेटर और नीति निर्माता सहयोग और भविष्य का साथ मिलकर निर्माण कर सकें।

बाबा लक्खी शाह वंजारा एक महान बलिदानी, एक सच्चे श्रद्धालु और एक वीर योद्धा थे : नायब सिंह सैनी

चण्डीगढ़ ,एंजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बाबा लक्खी शाह वंजारा जयंती के अवसर पर उन्हें नमन करते हुए घोषणा की, कि राज्य सरकार द्वारा जिला कुरूक्षेत्र के गांव ईशरगढ़ स्थित बाबा लक्खी शाह बावड़ी का सौंदर्यकरण करवाया जाएगा। साथ ही गावं में उनके नाम से सामुदायिक केंद्र का निर्माण और एक मूर्ति की स्थापना भी की जाएगी। इसके लिए उन्होंने अपनी ओर से 31 लाख रूपये और कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार व कुमारी आरती सिंह राव की तरफ से 11-11 लाख रूपये देने की घोषणा की।

उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि समाज की सहमति से प्रदेश में किसी एक चौक और एक सड़क का नाम बाबा लक्खी शाह वंजारा के नाम पर रखा जाएगा। इसके अलावा, उनके नाम से एक सामुदायिक केंद्र का निर्माण भी करवाया जाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह घोषणाएं आज यहां संत कबीर कुटीर पर बाबा लक्खी शाह वंजारा जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को सम्बोधित करते हुए की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बाबा लक्खी शाह वंजारा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि वंजारा समाज की और से उन्हें आज पगढ़ी पहनाकर जो मान-सम्मान दिया गया है उसे वह कभी कम नहीं होने देंगे और सदैव इस सम्मान को बढ़ाने के लिए कार्य करते रहेंगे।

बाबा लखी शाह वंजारा ने गुरु भक्ति और साहस का अनूठा उदाहरण पेश किया

प्रदेशवासियों को बाबा लखी शाह वंजारा जयंती की हार्दिक बधाई एव शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा लक्खी शाह वंजारा एक महान बलिदानी, एक सच्चे श्रद्धालु और एक वीर योद्धा थे, जिन्होंने अपने जीवन की आहुति देकर इतिहास में एक अमर गाथा लिखी। उन्होंने कहा कि जब हम भारत की महान संस्कृति, विविधता और बलिदानी परंपरा की बात करते हैं, तो कई महान वीरों की छवि उभरती है, जिन्होंने राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए अपना सबकुछ न्योछावर कर दिया। बाबा लक्खी शाह वंजारा उनमें से एक थे। वे ऐसे सिक्ख सेवक थे, जिन्होंने गुरु भक्ति और साहस का ऐसा उदाहरण पेश किया, जिसे युगों-युगों तक याद किया जाता रहेगा।

वंजारा समाज संघर्षशील, मेहनती और स्वाभिमानी समाज

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख इतिहास में बाबा लक्खी शाह वंजारा की कुर्बानियां स्वर्ण अक्षरों में लिखी गई हैं। उन्होंने मुगलों का डटकर मुकाबला किया और धर्म की रक्षा के लिए अभूतपूर्व बलिदान दिया। भारत के इतिहास में सम्भवत- यह पहली घटना थी, जब किसी एक परिवार के 112 से अधिक सदस्यों द्वारा शहादत दी गई। उन्होंने कहा कि वंजारा समाज संघर्षशील, मेहनती और स्वाभिमानी समाज है, जिसने न केवल व्यापार और वाणिज्य के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को गति दी है, बल्कि देश की रक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सरकार संतों व महापुरुषों के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कर रही काम

नायब सिंह सैनी ने कहा कि महापुरुष किसी भी धर्म व जाति के न होकर सभी के होते हैं। उनकी विरासत को संभालने व सहेजने की जिम्मेदारी हम सबकी है। इसलिए सरकार संत-महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना' के तहत संतों व महापुरुषों के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि महापुरुषों ने जो समानता का संदेश दिया है, उसे साकार करने के लिए सरकार ने अनेक ऐसी योजनाएं बनाई हैं, जिनसे समाज के हर वर्ग के गरीब से गरीब व्यक्ति का जीवन स्तर ऊंचा उठ सके। इन योजनाओं से वंजारा समाज का भी उत्थान हो रहा है।

सरकार ने दशकों से बेघर घुमंतू जातियों को मुख्यधारा में लाने का काम किया

उन्होंने कहा कि सरकार ने समाज के अंतिम और वंचित व्यक्ति का उत्थान करने का बीड़ा उठाया है। घुमन्तू जातियों को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए इनके परिवारों के पहचान पत्र बनाये गये हैं। अब इन्हें सरकार की सभी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ परिवार पहचान पत्र के माध्यम से दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने दशकों से बेघर रही घुमंतू जातियों को एक जगह बसाकर समाज की मुख्यधारा में लाने का काम किया है। सरकार द्वारा करनाल, पलवल व रोहतक शहरों के लिए आवेदन करने वाले घुमंतू जाति के गरीब परिवारों को प्लाट दिए गए है। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना' के तहत गरीबों को शहरों में प्लाट देने का काम शुरू किया गया है। इस योजना के पहले चरण में 14 कस्बों और शहरों में भूमि की पहचान कर 15 हजार 256 गरीब परिवारों को आवंटन पत्र सौंपे जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 100-100 वर्ग गज प्लाटों का कब्जा न पाने वाले 4 हजार 532 लोगों को अधिकार पत्र एवं 1-1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी गई है। सरकार डॉ. भीमराव अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना' के तहत अनुसूचित जाति के बी.पी.एल परिवारों को मकानों की मरम्मत के लिए 80 हजार रुपये की वित्तीय सहायता दे रही हैं। इस योजना के तहत 76 हजार 985 लाभार्थियों को 416 करोड़ रुपये की राशि दी जा चुकी है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के तहत गरीब परिवारों की महिलाओं को 13 लाख रसोई गैस कनेक्शन दिए

नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2027 तक 2 लाख गरीब परिवारों को बिजली के बिल से भी मुक्ति दिलवाने के लिए पी.एम. सूर्य घर योजना चलाई है। अब तक 18 हजार से अधिक लोगों के घरों पर मुफ्त सोलर पैनल लगाये जा चुके हैं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के तहत गरीब परिवारों की महिलाओं को 13 लाख रसोई गैस कनेक्शन दिए हैं। हर घर-हर गृहिणी योजना के तहत 17 लाख 51 हजार परिवारों को हर महीने 500 रुपये में गैस सिलैण्डर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत-चिरायु योजना में गरीब परिवारों का 5 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त किया जा रहा है। अब तक 20 लाख से अधिक लोगों का 2 हजार 745 करोड़ रुपये का मुफ्त इलाज किया जा चुका है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री विवाह शगुन' योजना के तहत गरीब परिवारों की बेटियों की शादी पर 71 हजार रुपये तक शगुन दिया जाता है।

बाबा लक्खी शाह वंजारा की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने की जरूरत

नायब सिंह सैनी ने कहा कि बाबा लक्खी शाह वंजारा ने हमें सिखाया कि सिर्फ तलवार से ही नहीं, बल्कि त्याग और साहस से समाज के कल्याण के लिए किये गये कार्यों से भी इतिहास रचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि जब हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विकसित भारत-विकसित हरियाणा' बनाने की ओर आगे बढ़ रहे हैं, हम सभी को बाबा लक्खी शाह वंजारा जैसे महापुरूषों की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने की जरूरत है।

फेल हो चुके कांग्रेस नेता मुझे ज्ञान देने के बजाय अपनी शर्मनाक स्थिति पर ध्यान दें : कंगना रनौत

शिमला ,एंजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मंडी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से सांसद और अभिनेत्री कंगना ने बाढ़ से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल, विधायक विनोद कुमार और स्थानीय नेता भी मौजूद रहे। कंगना ने आपदा से प्रभावित पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और साथ ही विकास कार्यों के माध्यम से राहत पहुंचाने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि हाल ही में पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता वितरित की गई है। कंगना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि वह इन योजनाओं के लाभ पीड़ितों तक पहुंचाने का काम कर रही हैं। हम हमेशा लोगों के साथ खड़े हैं।

मीडिया से बातचीत के दौरान कंगना रनौत ने कैबिनेट मंत्री विक्रमादित्य सिंह पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, जो लोग हिमाचल में बिल्कुल फेल हो चुके हैं, जिन्हें यहां की जनता गालियां दे रही है और कह रही है कि बीस साल तक अब कांग्रेस सरकार यहां नहीं आए, उनको मुझे ज्ञान देने की जरूरत नहीं है। उन्हें अपनी शर्मनाक स्थिति को सुधारने पर ध्यान देना चाहिए। लोग यहां रो रहे हैं और मुझे बता रहे है कि मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से आए और ऊपर से ही पोज देकर चले गए। जिन क्षेत्रों में करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है, वहां विक्रमादित्य कुछ लाख रुपए देकर मदद का दिखावा कर रहे है। ये लोग भ्रष्ट और ढोंगी हैं। कंगना ने आगे कहा कि जब मुझसे पूछा जाता है कि हिमाचल का पुनर्निर्माण कब होगा, तो मैं कहती हूं कि इसके लिए जवाबदेही जरूरी है। मैं सांसद हूं, मेरे पास कोई कैबिनेट रैंक नहीं है। लोग मेरे बयान का सिर्फ एक हिस्सा निकालकर सवाल कर रहे हैं, यह छोटे-छोटे पैंतरे हैं, इनसे कुछ नहीं होने वाला।

उन्होंने कहा, चाहे आर्मी का रेस्क्यू ऑपरेशन हो या अनाज वितरण, यह सब केंद्र सरकार ने किया है। मदद पहुंचाने वाले ज्यादातर भाजपा के लोग थे। राज्य सरकार पूरी तरह फेल हो चुकी है, जनता भी इसे समझ चुकी है। अब 'कंगना-कंगना' का रोना रोने से कुछ नहीं होने वाला। जनता ने इनके असली चेहरे देख लिए हैं। जयराम ठाकुर को लेकर पूछे गए सवाल पर कंगना ने कहा, हममें किसी तरह की कोई नाराजगी नहीं है। हम सब एक पार्टी के साथी हैं और एक ही मकसद के लिए काम करते हैं। जब तक हम प्रोफेशनल रहेंगे, सब ठीक रहेगा।

कोलकाता गैंगरेप मामला : जादवपुर यूनिवर्सिटी की गेस्ट फैकल्टी शताब्दी दास बोलीं, 'आरोपियों के खिलाफ हो कड़ी कार्रवाई'

कोलकाता ,एंजेंसी। जादवपुर यूनिवर्सिटी की अंग्रेजी रिसर्च स्कॉलर और गेस्ट फैकल्टी शताब्दी दास ने पश्चिम बंगाल के लॉ कॉलेज में स्टूडेंट के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले पर दुख जाहिर किया।

उन्होंने कहा कि एक महिला होने के नाते मैं इस मामले की कड़ी निंदा करती हूं और सरकार से मांग करती हूं कि जो लोग भी इसमें संलिप्त हैं, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि शिक्षण संस्थाओं में महिलाओं को सुरक्षित माहौल मिले।

साथ ही, उन्होंने कहा कि हमारी यूनिवर्सिटी में माहौल पूरी तरह से सुरक्षित है। अगर कोई बाहर का स्टूडेंट यहां पर आने का विचार कर रहा है, तो मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहती हूं कि उसे बिल्कुल भी घबराने की जरूरत नहीं है। हमारे यहां पर सभी लोग अच्छे से रहते हैं। अगर किसी को कोई दिक्कत होती है, तो हम लोग मिलकर यह सुनिश्चित करते हैं कि कैसे उसका निदान किया जाए।

वहीं, उनसे जब पूछा गया कि पश्चिम बंगाल में पिछले कुछ दिनों से जिस तरह महिलाओं के विरुद्ध अपराध बढ़े हैं, उसे लेकर अब माता-पिता अपनी बेटियों को पढ़ाने से बच रहे हैं, तो इस पर शताब्दी दास कहती हैं कि ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। यह 21वीं शताब्दी है। हम सभी लोगों को बेटों के साथ-साथ बेटियों की पढ़ाई को भी तरजीह देनी होगी, तभी जाकर समाज में विकास की गति तेज होगी, क्योंकि किसी भी समाज के विकास में बेटी और बेटे दोनों का योगदान समान होता है। ऐसी स्थिति में मुझे नहीं लगता है कि हमें एक-दो ऐसे मामले देखने के बाद अपनी बेटियों को पढ़ाने से बचना चाहिए। हमें बेटियों को पढ़ाना चाहिए। हमारे राज्य के लोगों ने हमेशा से ही बेटियों की पढ़ाई को तरजीह दी है। बेटियां पढ़ेंगी, तभी जाकर देश आगे बढ़ेगा।

शताब्दी दास ने यह भी कहा कि अगर इस तरह के एक-दो मामले प्रकाश में आने के बाद समाज में किसी ने भी बेटियों की पढ़ाई को लेकर अपनी धारणा बदल ली है, तो मैं कहूंगी कि उसे अपने विचार को बदलना चाहिए। ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। पश्चिम बंगाल की महिलाएं सशक्तिकरण का प्रतीक मानी जाती हैं। ऐसे में यहां की बेटियों की पढ़ाई के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। हम लॉ कॉलेज की घटना की निंदा करते हैं। इस तरह की घटना बर्दाश्त के बाहर है। जादवपुर यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट खुद इस घटना की निंदा करते हैं। हम मांग करते हैं कि लॉ कॉलेज की घटना में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि अपराधियों के बीच खौफ पैदा हो।

अंतर्राष्ट्रीय संसदीय अध्ययन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान व हिमालयन विश्वविद्यालय के बीच एमओयू साइन

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । उत्तराखंड की ग्रीष्मकालीन राजधानी भराड़ीसैंण को नीति, नवाचार और अनुसंधान का केंद्र बनाने की दिशा में आज एक ऐतिहासिक पहल की गई। यह रणनीतिक समझौता उत्तराखंड विधान सभा की अध्यक्ष ऋतु खण्डूड़ी भूषण की दूरदर्शी सोच, प्रभावशाली नेतृत्व और सक्रिय पहल का परिणाम है। उनकी गरिमामयी उपस्थिति में स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय, जौलीग्रांट और अंतर्राष्ट्रीय संसदीय अध्ययन, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, भराड़ीसैंण-गैरसैंण के बीच एक महत्वपूर्ण आपसी एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते का उद्देश्य राज्य में पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, पेयजल, जल स्रोत प्रबंधन, स्वास्थ्य, स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण नवाचार, सामुदायिक शासन व्यवस्था में सहभागी कार्यनीति और संस्थागत सहयोग को बढ़ावा देना है। एमओयू पर विश्वविद्यालय की ओर से रजिस्ट्रार कमांडर चल्ला वेंकटेश्वर (से.नि.) और शोध संस्थान की ओर से सचिव हेम चंद्र पंत ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर बोलते हुए विधान सभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूड़ी भूषण ने कहा कि यह समझौता केवल दो संस्थाओं के बीच नहीं, बल्कि उत्तराखंड के भविष्य की दिशा को तय करने वाला कदम है। उन्होंने कहा, हमारा सपना है कि भराड़ीसैंण केवल एक प्रशासनिक राजधानी न रहकर एक ऐसा केन्द्र बने जहाँ नीति, विज्ञान, शोध और परंपरा मिलकर उत्तराखंड की समस्याओं के समाधान गढ़ें। हमारी कोशिश है कि यहां से ऐसी नीतियां निकलें जो हिमालयी राज्यों के लिए मार्गदर्शक बनें। यह समझौता एक 'पॉलिसी इनोवेशन हब' की नींव है।

उन्होंने यह भी कहा कि यह साझेदारी विधायकों, वैज्ञानिक संस्थानों, प्रशासन और

समाज के बीच एक सेतु का कार्य करेगी। इससे हमारे नीतिगत फैसले केवल दस्तावेजों तक सीमित न रहकर जमीन से जुड़े, व्यवहारिक और जन-संवेदनशील बन सकेंगे। भराड़ीसैंण को एक जन-केंद्रित नीति राजधानी के रूप में विकसित करना हमारा संकल्प है।''कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राजेन्द्र डोभाल ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा तक सीमित नहीं है, बल्कि सेवा, विज्ञान और समाज के बीच एक सेतु बनाना है। विश्वविद्यालय बीते तीन दशकों में ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, जलवायु अनुकूलन और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। अब यह अनुभव नीति-निर्माण की प्रक्रिया से जुड़कर अधिक व्यापक बदलाव लाएगा।

इस समझौते के अंतर्गत दोनों संस्थाएं जलवायु-संवेदनशील क्षेत्रों में पर्यावरण, जलस्रोत पुनर्जीवन (स्प्रिंगशेड प्रबंधन), वर्षा जल संचयन, महिला नेतृत्व, पारंपरिक ज्ञान आधारित समाधान और समग्र स्वास्थ्य जैसे विषयों पर संयुक्त परियोजनाएं प्रारंभ करेंगी। साथ ही विधायकों, पंचायत प्रतिनिधियों, महिला समूहों, युवाओं और अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण, अध्ययन यात्रा, नीति संवाद और डिजिटल मंच का विकास किया जाएगा। यह भागीदारी केन्द्र एवं राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं के साथ समन्वय स्थापित करेगी और प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों से सहयोग की संभावनाओं को भी विस्तार देगी। कार्यक्रम में यह स्पष्ट किया गया कि भराड़ीसैंण-गैरसैंण को अब नीति, नवाचार और पारिस्थितिकीय शोध के एक सक्रिय केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जहाँ से भविष्य की योजनाएं आकार लेंगी। इस अवसर पर शोध संस्थान के सचिव हेम चंद्र पंत ने शोध संस्थान की भूमिका, उद्देश्य और भावी योजनाओं की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि भराड़ीसैंण स्थित यह संस्थान उत्तराखंड विधानसभा के नेतृत्व में एक ऐसी पहल है जो राज्य को नीति, शोध और प्रशिक्षण का केंद्र बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। श्री पंत ने विश्वास जताया कि इस समझौते से न केवल संस्थान की कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि उत्तराखंड में नीति नवाचार और जन-भागीदारी आधारित शासन को भी नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय के डॉयरेक्टर जनरल (अकादमिक) डॉ. वी. चैहान ने विश्वविद्यालय की कार्यशैली और व्यापक योगदान की जानकारी देते हुए कहा, विश्वविद्यालय एक ऐसा संस्थान है जो शिक्षा, अनुसंधान और सेवा के त्रिवेणी संगम पर कार्य करता है। इस अवसर पर एसआरएचयू के सलाहकार प्रो. एच.पी. उनियाल ने उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूड़ी भूषण द्वारा विश्वविद्यालय पर जताए गए विश्वास और अपेक्षाओं के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यह हमारे लिए सम्मान और जिम्मेदारी दोनों है कि अध्यक्ष ने स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय को इस ऐतिहासिक साझेदारी के लिए चुना। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि विश्वविद्यालय पर जो अपेक्षाएं रखी गई हैं, उन्हें धरातल पर पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ उतारा जाए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से प्रो-वाइस चांसलर डॉ. ए.के. देवराड़ी, निदेशक जनरल (अकादमिक) डॉ. वी. चैहान, सलाहाकार प्रो. एच.पी. उनियाल, सलाहकार प्रो. (डॉ.) हेम चन्द्र, रजिस्ट्रार कमांडर चल्ला वेंकटेश्वर, उपनिदेशक नितेश कौशिक, सहायक प्रबन्धक राजकुमार वर्मा और समन्वयक सुजीत थपलियाल सहित विधान सभा शोध संस्थान के कार्यकारी समिति के अधिकारी मौजूद रहे।

प्रथम रैंडमाइजेशन सम्पन्न, पीठासीन एवं मतदान अधिकारी प्रथम का हुआ चयन

इंडिया वार्ता ब्यूरो

अल्मोड़ा । आगामी त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन की तैयारियों के क्रम में सोमवार को जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान अधिकारी प्रथम के चयन हेतु प्रथम रैंडमाइजेशन प्रक्रिया सम्पन्न कराई गई। यह प्रक्रिया भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेषीकृत सॉफ्टवेयर के माध्यम से पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई।

प्रक्रिया में जनपद के सभी 11 विकासखंडों से प्राप्त कार्मिकों का डेटा शामिल किया गया, जिनका यादृच्छिक चयन कर पोलिंग पार्टियों में उनका स्थान निर्धारित किया गया। इस चरण में केवल पीठासीन अधिकारी और मतदान अधिकारी प्रथम की ड्यूटी निर्धारित की गई है, जिसके आधार पर आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रम और तैनाती की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन कार्य अत्यंत गंभीर और संवेदनशील दायित्व है, जिसमें प्रत्येक नियुक्त कार्मिक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने निर्देश दिए कि चयनित अधिकारियों को समयबद्ध सूचना दी जाए और उनकी शत-प्रतिशत प्रशिक्षण उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी रामजीशरण शर्मा, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी शिवा पांडेय , निर्वाचन शाखा के कर्मचारी एवं तकनीकी टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

एक नई भाषा में काम करना मेरे लिए चुनौती थी, तमिल डेब्यू पर बोलीं मिथिला पालकर

अभिनेत्री मिथिला पालकर फिल्म ओहो एंथन बेबी के साथ तमिल फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने कहा कि नई भाषा में प्रदर्शन करना उनके लिए एक ऐसा चुनौती थी, जिसके बारे में उन्होंने कभी सोचा नहीं था।

मिथिला ने बताया कि एक अभिनेत्री के तौर पर वह हमेशा ऐसी चीजें करने की कोशिश करती हैं, जो उन्हें कम्फर्ट जोन से बाहर ले जाए। उन्होंने कहा, यह मुझे न केवल पेशेवर रूप से बल्कि व्यक्तिगत रूप में आगे बढ़ने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि एक नई भाषा सीखना और उसमें अभिनय करना उनके लिए एक ऐसी चुनौती थी, जिसके बारे में उन्होंने पहले कभी नहीं सोचा था।

लिटिल थिंग्स, कारवां और चॉपस्टिक्स के लिए मशहूर मिथिला ने कहा कि उन्हें अब तक हिंदी और मराठी में ही काम करने का मौका मिला था।

बता दें कि तमिल फिल्म ओहो एंथन बेबी में मिथिला के अगेंस्ट रुद्र मुख्य भूमिका में रहेंगे। फिल्म का पहला पोस्टर मई में रिलीज किया गया था। पोस्टर में अभिनेत्री लाल रंग की ड्रेस पहने नीचे बैठे अभिनेता रुद्र द्वारा पकड़े गए कैमरे के सामने पोज देती दिखाई दे रही हैं।

कृष्णकुमार रामकुमार द्वारा निर्देशित रोमांटिक-कॉमेडी ओहो एंथन बेबी में दर्शकों को प्यार और रिश्तों पर एक नया और अनोखा नजरिया देखने को मिलेगा।

मिथिला ने ओहो एंथन बेबी की शूटिंग पूरी करने के बारे में कहा, यह यात्रा वास्तव में मेरे लिए खास रही है, न केवल इसलिए कि यह मेरी पहली तमिल फिल्म है, बल्कि इसलिए भी कि मुझे उन अविश्वसनीय लोगों के साथ काम करने का मौका मिला।

उन्होंने कहा, तमिल में लाइनें सीखना भले ही मेरे लिए एक चुनौती थी, लेकिन मैंने इसमें हर पल का भरपूर आनंद लिया। मेरे सह-कलाकार रुद्र, मेरे निर्देशक कृष्णकुमार रामकुमार और पूरी कास्ट और क्रू ने मेरा अच्छे से स्वागत किया और मुझे बिल्कुल घर जैसा महसूस कराया, भले ही मैं यह भाषा नहीं बोल पाती थी।

कांग्रेस ने की जिला पंचायत चुनाव के लिए प्रत्याशियों की पहली सूची जारी

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आगामी जिला पंचायत चुनावों के लिए अपने समर्थित प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा की संस्तुति पर जारी की गई इस सूची की जानकारी उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष (संगठन/प्रशासन) सूर्यकांत धस्माना ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से दी। राजीव भवन, 21 राजपुर रोड स्थित पार्टी कार्यालय से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, जनपद देहरादून के विभिन्न क्षेत्रों से कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों के नाम घोषित किए गए हैं। इन नामों में रायगी से श्याम सिंह चौहान, बायला से प्रवीन रावत, मलेथा से सुजाता, मोहना से केसर सिंह, लाखामंडल से अमिता वर्मा, आरा से दीवान सिंह, व्यासनहरी से बारू सिंह, उतपाल्टा से रीना देवी, एटनबाग से पिंकी रोहिला, केदारावाला से हेमलता, नवाबगढ़ से संजय किशोर, डाकपत्थर द्वितीय से फरियाद हुसैन, माजरीग्रांट तृतीय से सुखविंदर कौर, साहबनगर से कमलेश्वरी सेमवाल और चंद्रोटी से गोविंद सिंह पुंडीर शामिल हैं।

देहरादून एसएसपी की मैराथन क्राइम मीटिंग

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बीती देर रात तक चली एक मैराथन क्राइम मीटिंग में जनपद के सभी राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों को आगामी कांवड़ मेले और पंचायत चुनावों के मद्देनजर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस मासिक अपराध गोष्ठी में अपराधों की समीक्षा करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले थाना प्रभारियों की सराहना की गई, जबकि शिथिलता बरतने वालों को कड़ी चेतावनी दी गई। एसएसपी ने कांवड़ मेले के लिए पार्किंग और यातायात प्रबंधन की समय पर व्यवस्था, तथा पंचायत चुनावों के लिए संवेदनशील मतदान केंद्रों का निरीक्षण और उपद्रवी तत्वों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने बाहरी राज्यों से आने वाले व्यक्तियों, किरायेदारों और मजदूरों के नियमित सत्यापन पर भी जोर दिया।

अपराधों के अनावरण की समीक्षा करते हुए, कैंट, नेहरू कॉलोनी, रायपुर, पटेल नगर, क्लेमेंट टाउन और राजपुर थानों ने नकबजनी की घटनाओं में शत-प्रतिशत अनावरण किया। लूट की घटनाओं में रायपुर, नेहरु कॉलोनी, डालनवाला, कैंट, राजपुर और रायवाला अव्वल रहे। वाहन चोरी के मामलों में कालसी, सेलाकुई, डोईवाला, नेहरू कॉलोनी और प्रेम नगर ने अच्छा प्रदर्शन किया, जबकि कोतवाली, ऋषिकेश और पटेल नगर को अपने अनावरण प्रतिशत में सुधार करने की हिदायत दी गई। चोरी की घटनाओं में कैंट, प्रेमनगर, पटेलनगर, क्लेमेंटटाउन और सहसपुर ने अधिकतर घटनाओं का अनावरण किया, वहीं कोतवाली, वसंत विहार, रायपुर, राजपुर और रायवाला को चोरी की घटनाओं का शत-प्रतिशत खुलासा करने का अल्टीमेटम दिया गया। एसएसपी ने सीसीटीएनएस और सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न ऑनलाइन पोर्टलों पर सूचनाओं को समय पर अद्यतन करने और लंबित शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने नशे के खिलाफ प्रभावी कदम उठाने और आमजन को जागरूक करने के लिए नियमित जागरूकता कार्यक्रम चलाने पर भी बल दिया। आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित करने और पुलिस कर्मियों की समस्याओं को भी नियमित रूप से सुनने के निर्देश दिए गए।

देवलसारी व कैंपटी रेंज में वन पंचायतों को 2500 फलदार पौधे वितरित किए गए

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। लखवाड़ जल विद्युत परियोजना के अंतर्गत संचालित कैट परियोजना के अंतर्गत मसूरी वन प्रभाग के कैंपटी एवं देवलसारी रेंज में ग्रीष्मकालीन फलदार पौध वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, वन पंचायतों का सशक्तिकरण और ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम में किंचित प्रयास फाउंडेशन, देहरादून के माध्यम से कुल 2500 फलदार पौधे वितरित किए गए। इनमें आम, अमरूद, लीची, चीकू और नींबू जैसे उपयोगी एवं स्थानीय जलवायु के अनुरूप पौधे शामिल थे। पौधों का वितरण कंडी मल्लि, कंडी तल्ली, टकारना, सादव, बेलगढ़, द्वारगढ़, चडोगी, चमासारी , थापला पुजाल्डी, गैड सहित अन्य वन पंचायतों के सरपंचों को किया गया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में दीपक गैरोला (निदेशक, किंचित प्रयास फाउंडेशन), राजेश कश्यप (कैट परियोजना समन्वयक), जतन दास (उपराज्य अधिकारी, वन विभाग दृ कैंपटी रेंज) एवं गीता राणा (वन बीट अधिकारी, कैंपटी रेंज मसूरी) उपस्थित रहे। वक्ताओं ने पौधारोपण की महत्ता, जलवायु संतुलन और स्थानीय आयवर्धन पर जोर दिया। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत किया और पौधों की देखरेख का संकल्प लिया।

टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस को भारत एनसीएपी के तहत 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग मिली

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। सुरक्षा के प्रति टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की अडिग प्रतिबद्धता के एक महत्वपूर्ण प्रमाण के रूप में, बहुप्रशंसित इनोवा हाईक्रॉस को भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (भारत एनसीएपी) के तहत 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग दी गई है। यह भारत की सबसे व्यापक वाहन सुरक्षा मूल्यांकन संरचना है। इस उपलब्धि से अपने मूल्यवान ग्राहकों को हमेशा सुरक्षित मोबिलिटी समाधान प्रदान करने की कंपनी की अटूट और अंतर्निहित चाहत का पता चलता है। वयस्क और बच्चे-दोनों तरह के सवारों की सुरक्षा के लिए 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग प्राप्त हुई है। इससे पहले आज नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कॉरपोरेट मामले एवं गवर्नेंस के कंट्री हेड एवं ईवीपी विक्रम गुलाटी और सीसीओ, एसवीपी एवं राज्य मामलों के प्रमुख सुदीप दलवी को प्रमाण पत्र सौंपा।

मधुमक्खी पालन से किसानों की आय में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर रहा उत्तराखंड : कृषि मंत्री गणेश जोशी

इंडिया वार्ता ब्यूरो

ऋषिकेश। मंगलवार को कृषि एवं उद्यान मंत्री गणेश जोशी ने ऋषिकेश स्थित हनुमंतपुरम गंगा नगर में प्रदेशीय मौनपालन परिषद के उपाध्यक्ष गिरीश डोभाल के कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान मंत्री गणेश जोशी ने राज्यमंत्री गिरीश डोभाल को बधाई दी और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत एक फलदार पौधे का रोपण भी किया।

इस अवसर पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि मौनपालन किसानों के लिए आय बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम बन रहा है। शहद और इसके सह-उत्पादों से जहां कास्तकारों को अतिरिक्त आमदनी हो रही है, वहीं पर-परागण के माध्यम से बागवानी फसलों की उत्पादकता और गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से मौनपालन पर विशेष ध्यान

दिया जा रहा है। उत्तराखंड का 65 प्रतिशत से अधिक भूभाग वनाच्छादित होने के कारण यहां मौनपालन की अपार संभावनाएं हैं। यह केवल शहद उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कृषि उत्पादकता को भी बढ़ाता है और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उत्पन्न करता है। इस दौरान मंत्री गणेश जोशी ने केंद्रीय मंत्री द्वारा प्रदेश की कृषि संबंधी योजनाओं हेतु लगभग रुपये 3,800 करोड़ की सैद्धांतिक सहमति प्रदान करने पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार प्रकट किया। कृषि मंत्री ने कहा कि वर्तमान में उत्तराखंड में लगभग 8000 मधुमक्खी पालक, 95000 कॉलोनियों का संचालन कर रहे हैं, जिससे 1900 टन वार्षिक शहद उत्पादन हो रहा है। बद्रीनाथ के वन तुलसी के शहद की अधिक डिमांड बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि शहद उत्पादन में उत्तराखंड का देश में 9वां स्थान है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशनके अंतर्गत वैज्ञानिक पद्धतियों से मौनपालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। किसानों को सब्सिडी पर बी-बॉक्स और उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं, और प्रशिक्षण शिविरों में महिलाओं व लघु कृषकों को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि मौनपालन को डिजीटल प्लेटफार्म पर ले जाकर इसकी सम्पूर्ण जानकारी एकत्रित करने जैसे कार्यों पर भी भविष्य में जोर दिया जाऐगा।

कार्यक्रम के दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं ऋषिकेश विधायक प्रेमचंद अग्रवाल, मेयर शंभु पासवान, राज्यमंत्री गिरीश डोभाल, निदेशक बागवानी मिशन महेंद्र पाल, संयुक्त निदेशक डॉ रतन कुमार, पूर्व जिलाध्यक्ष रविन्द्र राणा, बृजेश शर्मा, मंडल अध्यक्ष मनोज ध्यानी, मोनू शर्मा, पंकज गुप्ता, सुमित पंवार सहित कई लोगउपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष मुख्यमंत्री ने किया 'हाउस ऑफ हिमालयाज..

जैसे प्रतिष्ठित होटलों के साथ रणनीतिक साझेदारी की गई है। इस पहल के तहत राज्य के विभिन्न प्रमुख होटलों में 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के रिटेल कार्ट्स स्थापित किए गए हैं, जो पर्यटकों को उत्तराखण्ड के विशिष्ट हस्तनिर्मित एवं जैविक उत्पादों की सीधी उपलब्धता प्रदान कर रहे हैं। यह कदम न केवल स्थानीय उत्पादकों और कारीगरों को आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रोत्साहित कर रहा है, बल्कि सतत पर्यटन और आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड की ओर भी एक महत्वपूर्ण पहल है। 'हाउस ऑफ हिमालयाज' ब्रांड की अवधारणा को पहली बार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के दौरान प्रस्तुत किया गया था। इस ब्रांड के अंतर्गत उत्तराखण्ड के विशिष्ट उत्पाद जैसे बुरांश का शरबत, जंगली शहद, पहाड़ी दालें, पारंपरिक मसाले, हस्तनिर्मित वस्त्र एवं अन्य जैविक सामग्री अब एक सुव्यवस्थित रूप में देश के प्रमुख शहरों तक पहुंच सकेंगी। इस अवसर पर सचिव ग्रामीण विकास श्रीमती राधिका झा, उत्तराखण्ड के स्थानिक आयुक्त श्री अजय मिश्रा आदि अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष कांवड़ मेला : धामी सरकार ..

गोताखोरों व जल पुलिस को अलर्ट मोड पर रखने के निर्देश दिए। यात्रा मार्गों पर तेज ध्वनि विस्तारक यंत्रों, डीजे व लाउडस्पीकर के उपयोग को नियमबद्ध करने को कहा गया। दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर सुधारात्मक कार्य किए जाएंगे। कांवड़ यात्रियों को 'क्या करें और क्या न करें' की जानकारी पेम्फलेट, होर्डिंग, पब्लिक अनाउंसमेंट और सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक रूप से दी जाएगी।

सख्त नियमों का पालन और महिला कांवड़ियों की सुरक्षा

मुख्यमंत्री ने कांवड़ियों को लाठी, डंडा, नुकीली वस्तुएं आदि ले जाने से रोकने हेतु प्रचार अभियान चलाने को कहा। यात्रा मार्गों में मादक पदार्थों, शराब एवं मांस की बिक्री पर प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने और समुचित बिजली, पानी, चिकित्सा जैसी आधारभूत सुविधाओं को सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। महिला कांवड़ियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए उनकी सुरक्षा के लिए महिला घाटों और धर्मशालाओं में विशेष पुलिस प्रबंध सुनिश्चित करने को कहा गया। अंतर्राज्यीय समन्वय बढ़ाकर सूचनाओं का तत्काल आदान-प्रदान करने, सोशल मीडिया पर निगरानी रखते हुए अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करने और संबंधित पोस्टों का तत्काल खंडन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण के निर्देश

मुख्यमंत्री ने सभी विभागीय सचिवों और पुलिस महानिरीक्षकों को आगामी तीन दिनों में कांवड़ मेला क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा करने व अपने-अपने विभागों की कार्य योजनाओं को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। बैठक में गृह सचिव श्री शैलेश बगोली, पुलिस महानिदेशक श्री दीपम सेठ, आपदा प्रबंधन सचिव श्री विनोद कुमार सुमन, गढ़वाल व कुमाऊं आयुक्त सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

तेजस्विनी ट्रस्ट की महिलाओं ने 'ग्रामीण हीरो' प्रतियोगिता में दिखाई काबिलियत

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। महिला सशक्तिकरण और सामाजिक परिवर्तन के क्षेत्र में सक्रिय तेजस्विनी चैरिटेबल ट्रस्ट ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि सही सहयोग और मंच मिलने पर महिलाएं चाहे वे किसी भी पृष्ठभूमि से हों अपने सपनों को हकीकत में बदल सकती हैं। हाल ही में आयोजित ग्रामीण हीरो पिचिंग प्रतियोगिता में ट्रस्ट से जुड़ी चार प्रेरणादायक महिलाओं ने अपने विचारों और सामर्थ्य से निर्णायकों को प्रभावित करते हुए सीड फंडिंग प्राप्त की। इस कार्यक्रम का संयोजन उत्तराखंड की प्रतिष्ठित मार्केटिंग और परामर्श फर्म, डिविन प्रो द्वारा किया गया। राज्य भर से चयनित महिला उद्यमियों में से तेजस्विनी ट्रस्ट से जुड़ी चार महिलाओं को घ लाख प्रति व्यक्ति की सीड फंडिंग दी गई, जिससे वे अपने नवाचारी व्यवसायों को और आगे बढ़ा सकें।

चयनित महिला उद्यमियों के नाम और कार्यक्षेत्र इस प्रकार हैं। आदिति शर्मा-एक ट्रांसजेंडर उद्यमी, जो अपने फूड ट्रक व्यवसाय के माध्यम से न केवल आत्मनिर्भर बनी हैं, बल्कि समाज में समावेशिता का संदेश भी दे रही हैं। पुष्पा रानी सिंह-जिन्होंने रस परणा ग्रीन के नाम से घरेलू मसालों का ब्रांड शुरू किया है और ग्रामीण स्वाद को शुद्धता के साथ बाजार में ला रही हैं। फरजाना-जोगी क्लस्टर हेड के रूप में कई स्वयं सहायता समूहों का नेतृत्व करती हैं और धरा नामक मशरूम उत्पादन व्यवसाय चलाने का कार्य रही हैं। जेसल सिंह-एक युवा और ऊर्जावान महिला उद्यमी जोकि क्वींपदप नामक क्वींपद भारत के व्यंजनों को उत्तराखंड में घर घर तक पहुचाने का व्यवसाय करने रही हैं। तेजस्विनी चैरिटेबल ट्रस्ट की संस्थापक प्रिया गुलाटी ने कहा कि हमारा उद्देश्य महिलाओं को सिर्फ प्रेरित करना नहीं, बल्कि उन्हें अपने पैरों पर खड़ा देखना है। आज जब हमारे चार सदस्य सीड फंडिंग के साथ आगे बढ़ रही हैं, यह हमारे लिए गर्व का क्षण है। डिविन प्रो की संस्थापक जूही गर्ग ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अपार संभावनाएं छिपी हैं। तेजस्विनी ट्रस्ट की महिलाएं इस बात का सशक्त प्रमाण हैं कि यदि सही दिशा और संसाधन मिलें, तो महिलाएं किसी भी सामाजिक या आर्थिक सीमाओं को पार कर सकती हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक संदीप शर्मा ने इंडिया प्रिन्टर शांप न. 06 संगम प्लाजा धर्मपुर देहरादून से मुद्रित करवाकर मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।

प्रधान सम्पादक : संजीव शर्मा

संपादकः संदीप शर्मा

सह सम्पादक : डा. विष्णु बिश्वास

संजीव अग्निहोत्री गढ़वाल प्रभारी

अल्मोड़ा जिला प्रभारी : रोहित कार्की

अल्मोड़ा संवाददाता : रक्षित कार्की

ब्यूरो चीफ : राजीव अग्रवाल

Email.
indiawarta@gmail.com
indiawarta@rediffmail.com
Web Site
www.indiawarta.com
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104
M-7500471414,7500581414

नोट– समाचार पत्र में सभी पद अवैतानिक हैं। किसी भी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा।
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

एसईओसी पहुंचे मुख्य सचिव, मौसम तथा मानसून की ली जानकारी

हिमाचल में अतिवृष्टि से उत्पन्न स्थितियों से निपटने के तौर-तरीकों का अध्ययन करेगा विशेषज्ञ दल

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का एक विशेषज्ञ दल हिमाचल प्रदेश में अतिवृष्टि के चलते उत्पन्न स्थितियों तथा इन हालातों से निपटने के लिए हिमाचल में शासन-प्रशासन द्वारा किए जा रहे कार्यों को देखने तथा उनका अध्ययन करने के लिए जाएगा। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन को इसके निर्देश दिए हैं। मंगलवार को उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में प्रदेश में वर्षा से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने कहा कि उत्तराखण्ड और हिमाचल प्रदेश न सिर्फ पड़ोसी राज्य हैं, बल्कि दोनों प्रदेशों की भौगोलिक परिस्थितियां भी एक जैसी हैं। इस वर्ष हिमाचल प्रदेश में बारिश से काफी नुकसान हुआ है। इन स्थितियों से निपटने के लिए हिमाचल प्रदेश में किस प्रकार आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है, शासन-प्रशासन द्वारा किस तरह इन स्थितियों में प्रतिक्रिया की जा रही है, इसे जानने और समझने की आवश्यकता है ताकि अगर ऐसे ही हालात उत्तराखण्ड में भी उत्पन्न हों तो हिमाचल के अनुभवों के आधार पर एक प्रभावी रणनीति बनाई जा सके।

मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन ने राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र पहुंचकर प्रदेश में हो रही वर्षा से उत्पन्न स्थिति की जानकारी ली तथा आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने वर्तमान में प्रदेश में मानसून की स्थिति, आने वाले दिनों में मौसम का पूर्वानुमान, अब तक हुई बारिश तथा प्रदेश भर में भूस्खलन के चलते बंद सड़कों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि बंद सड़कों को जल्द से जल्द खोलने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में सभी आवश्यक संसाधन तथा उपकरण तैनात किए जाएं। यह सुनिश्चित किया जाए की 15 मिनट के भीतर जेसीबी तथा अन्य सभी आवश्यक उपकरण घटनास्थल पर पहुंच जाए। उन्होंने ग्रामीण सड़कों को भी तत्परता के साथ खोलने के निर्देश दिए।

सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बताया कि देहरादून, नैनीताल तथा बागेश्वर में मौसम विभाग द्वारा ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। सात दिवसीय पूर्वानुमान के अनुसार सभी जनपदों में बुधवार से येलो अलर्ट है। उन्होंने बताया कि जून में सामान्य से कम बारिश हुई थी, जबकि जुलाई में सामान्य से अधिक वर्षा का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। पूरे मानसून सीजन में सामान्य से 108 फीसदी अधिक वर्षा का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि अभी तक प्रदेशभर में 317.1 मिमी बारिश हुई है। सबसे अधिक बागेश्वर में 765.5, चमोली में 428.2, रुद्रप्रयाग 388.8 तथा देहरादून 380.4 मिमी बारिश हो चुकी है। इस अवसर पर सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रशासन आनंद स्वरूप, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रियान्वयन डीआईजी राजकुमार नेगी, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मो0 ओबैदुल्लाह अंसारी, ड्यूटी आफिसर उप सचिव आलोक कुमार, यूएसडीएमए के विशेषज्ञ मनीष भगत, रोहित कुमार, डॉ. पूजा राणा, डॉ, वेदिका पंत, हेमंत बिष्ट तथा तंद्रीला सरकार आदि उपस्थित थे।

2853 परिवारों का पुनर्वास: सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बताया कि राज्य में वर्ष 2012 से वर्तमान में दिनांक 08.07.2025 तक प्राकृतिक आपदा से प्रभावित कुल 258 ग्रामों के 2853 परिवारों का पुनर्वास किया गया। विस्थापन हेतु कुल बजट प्राविधान रु0 20.00 करोड़ रुपये है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में आपदा प्रभावित ग्रामों के पुनर्वासध्विस्थापन हेतु कुल बजट प्राविधान रूपये बीस करोड़ के सापेक्ष वर्तमान तक 24 ग्रामों के कुल 337 आपदा प्रभावित परिवारों के पुनर्वासध्विस्थापन हेतु कुल रू0 12,16,70,300ध्- की धनराशि निर्गत की गयी है। उन्होंने बताया कि राज्य आपदा मोचन निधि तथा राज्य सेक्टर से कुल 175.50 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की जा चुकी है। राज्य आपदा मोचन निधि से जनपदों को कुल 165 करोड़ की धनराशि आवंटित की गई है।

सचेत ऐप, 112, 1070, 1077 हों सभी के फोन में: मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने कहा कि सचेत एप आपदाओं से बचाव की दिशा में काफी मददगार साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा ऐप है, जिसमें न सिर्फ मौसम तथा बारिश के एलर्ट प्राप्त होते हैं बल्कि आपदाओं से बचाव की भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने राज्य के सभी नागरिकों से इस ऐप को डाउनलोड करने की अपील की है। साथ ही उन्होंने सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास श्री विनोद कुमार सुमन को ईआरएसस 112, 1070, 1077 का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ये तीन नंबर सभी लोगों के फोन में होने चाहिए ताकि आपदा के समय या किसी मुश्किल घड़ी में लोग इन नम्बरों पर कॉल कर मदद मांग सकें।

तहसील स्तर पर व्हाट्सएप ग्रुप बनाने के निर्देश: मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन ने कहा कि आम जनता तक मौसम संबंधी विभिन्न प्रकार की चेतावनियों तथा अन्य जानकारियों को कम से कम समय में पहुंचाया जाए, ताकि लोग समय रहते सुरक्षात्मक कदम उठा सकें। उन्होंने कहा कि विभिन्न अलर्ट जारी करने वाले एजेंसियों से जो भी अलर्ट मिलते हैं, वह एसईओसी तथा डीईओसी के माध्यम से 15 मिनट के भीतर लोगों तक पहुंच जाएं। उन्होंने कहा कि सूचनाओं तथा चेतावनियों के आदान-प्रदान में बिलकुल भी विलंब नहीं होना चाहिए। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति तक अलर्ट तथा अन्य सूचनाओं को पहुंचाने के लिए तहसील स्तर पर व्हाट्सएप ग्रुप बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रियल टाइम सूचनाओं का आदान-प्रदान कुशल तथा प्रभावी आपदा प्रबंधन के लिए बेहद जरूरी है। इस अवसर पर उन्होंने एसईओसी में विभिन्न विभागों के वायरलेस सेटों, सेटेलाइट फोन की सक्रियता भी परखी।

एसईओसी की अपनी एसओपी बनेगी: मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने राज्य तथा जनपद आपातकालीन परिचालन केंद्र की अपनी स्वयं की एसओपी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कंट्रोल रूम में किस अधिकारीध्कर्मचारी की क्या भूमिका तथा दायित्व हैं, इसमें किसी भी प्रकार भ्रम की स्थिति नहीं रहनी चाहिए। साथ ही उन्होंने कंट्रोल रूम की भी मॉक ड्रिल कराने के निर्देश दिए।

72 घंटे में दी जाए अहेतुक सहायता: मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने आपदा प्रभावितों को अहेतुक सहायता वितरित करने में विलंब न करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित कहर हाल में 72 घंटे के भीतर अहेतुक सहायता उपलब्ध करा दी जाए। साथ ही उन्होंने आपदा में क्षतिग्रस्त संपत्ति के नुकसान का सर्वे भी शीघ्रता से करने के निर्देश दिए ताकि प्रभावित लोगों को जल्द से जल्द सहायता मिल जाए और वह दोबारा सामान्य जीवन की ओर अग्रसर हो सकें।

युद्धस्तर पर जारी है राज्य की 124 अवरुद्ध सड़कों को खोलने का काम: महाराज

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । राज्य में मानसून सीजन 2025-26 में बरसात एवं भूस्खलन के कारण 154 सड़कें अवरुद्ध हैं इनमें से 08 जुलाई तक 30 सड़कें यातायात हेतु खोली जा चुकी हैं जबकि अन्य 124 सड़कों को खोलने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश के लोकनिर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने बताया कि राज्य में मानसून सीजन में अत्यधिक बरसात एवं भूस्खलन के कारण प्रदेश के विभिन्न जनपदों में लोनिवि की 67 सड़कें बंद थी जिनमें से 12 को खोल दिया गया है और 55 सड़कों को खोलने का काम चल रहा है। इसी प्रकार राज्य में एनएच की 02, बीआरओ की 01, एनएचआईडीसीएल की 01 सड़क बंद है। जबकि पीएमजीएसवाई की 83 सड़कों में से 16 सड़कों को खोल दिया गया है। प्रदेश की अवरुद्ध 154 सड़कों में से 30 सड़कों को यातायात हेतु खोल दिया गया है। जबकि अन्य 124 सड़कों को खोलने के लिए 644 मशीनें युद्धस्तर पर कार्य कर रही हैं।

लोनिवि मंत्री श्री महाराज ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मानसून के दौरान सभी अपने-अपने फोन एवं मोबाइल अवश्य उठायें ताकि मार्ग अवरुद्ध होने की सटीक जानकारी लोगों को समय से प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि यात्रियों की परेशानियों को देखते हुए सड़कों को खोलने में बिल्कुल भी कोताही नहीं होनी चाहिए। मानसून के दौरान यदि कोई सड़क बंद होती है तो उसकी पूर्व सूचना यात्रियों को पहले ही उनके पूर्ववर्ती स्टेशन पर मिल जानी चाहिए और उनसे वैकल्पिक मार्गों की भी जानकारी साझा करनी चाहिए ताकि वह अपने गंतव्य तक आसानी से पहुंच सकें।

पाठको के लिए

मान्यवर पाठकगण

१. दैनिक इंडिया वार्ता समाचार पत्र हेतु अपने व्यक्तिगत या संस्थान की ओर से प्रकाशनार्थ लेख/समस्याएं व समाचार हमें भेजे व प्रति दिन नियमित रूप से समाचार पत्र प्राप्त करने को कार्यालय से सम्पर्क करे।

२. समाचार पत्र के बारे में आप के विचार व सुझाव आमंत्रित है।

३. नियमित पाठक बनने के लिए आपके द्वारा समाचार पत्र की सदस्यता ग्रहण करना प्रार्थनीय है।

४. व्यक्तिगत एवं व्यापारिक संस्थानो के तथा अन्य विज्ञापन आमंत्रित है।

सम्पादक

दैनिक इंडिया वार्ता

कार्यालय : मोहकमपुर खुर्द नियर आई आई पी हरिद्वार रोड देहरादून।

दूरभाष: 7500581414,9359555222

रिवर्स पलायन के प्रेरणादायक उदाहरण बने गुंज्याल और नेगी : मुख्यमंत्री

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (आई.जी.) बिमला गुंज्याल के सीमांत जनपद पिथौरागढ़ की गुंजी ग्राम पंचायत तथा पूर्व कर्नल यशपाल सिंह नेगी के जनपद पौड़ी की बिरगण ग्राम पंचायत के निर्विरोध ग्राम प्रधान निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने इसे रिवर्स पलायन का एक प्रेरणादायक और सुखद उदाहरण बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन दोनों सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारियों का ग्राम प्रधान चुना जाना पंचायती राज व्यवस्था को मजबूती देगा और उनके अनुभव से ग्रामीण विकास को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि गुंजी और बिरगण ग्राम पंचायतें मॉडल ग्राम के रूप में उभरेंगी।

मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि इस प्रकार के उदाहरण दर्शाते हैं कि रिटायरमेंट के बाद भी व्यक्ति अपने अनुभव और सेवा भावना से गांव की प्रगति में अहम भूमिका निभा सकता है। राज्य सरकार ऐसे सभी प्रयासों को पूर्ण सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण आजीविका, कृषि, बागवानी और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए सतत कार्य कर रही है ताकि गांव आत्मनिर्भर बनें और रिवर्स पलायन की यह परंपरा मजबूत हो सके।